संजीव®

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

राजस्थान वाहन चालक

सीधी भर्ती परीक्षा

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित

- सामान्य हिन्दी
- सामान्य अंग्रेजी
- राजस्थान का भूगोल
- इतिहास, कला एवं संस्कृति
- भारत एवं राजस्थान की राजव्यवस्था
- सामान्य विज्ञान
- बेसिक कम्प्यूटर
- सामान्य गणित

मार्गदर्शक एवं लेखक

राजस्थान सामान्य ज्ञान
मनोहर सिंह कोटड़ा (मार्गदर्शक) • दीपा रत्नू (लेखिका)

सामान्य विज्ञान एवं गणित
डॉ. श्याम जांगिड़

भारत एवं राजस्थान की राजव्यवस्था
जी.सी. जाखड़

सामान्य हिन्दी
कैलाश नागौरी

बेसिक कम्प्यूटर
प्रभात वालिया

सामान्य अंग्रेजी
दीपक पारिक

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-3
  Website : www.sanjivprakashan.com

- **© संजीव प्रकाशन**

- **मूल्य : ₹ 660.00**

- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- **मुद्रक :**
  पंजाबी प्रेस, जयपुर

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-
  Email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

वाहन चालक की परीक्षा स्कीम एवं पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय	प्रश्न-120	समय
		अनुमानित प्रश्न संख्या	
1.	**सामान्य हिन्दी**	**30**	2 घंटे
2.	**सामान्य अंग्रेजी**	**15**	
3.	**सामान्य ज्ञान :**	**50**	
	भूगोल	10	
	इतिहास, कला एवं संस्कृति (राजस्थान)	10	
	भारतीय संविधान एवं राजस्थान राज्य के विशेष संदर्भ में राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था	10	
	सामान्य विज्ञान	05	
	सम-सामयिक घटनाएँ	10	
	बेसिक कम्प्यूटर	05	
4.	**सामान्य गणित**	**25**	
	कुल	**120**	

नोट– 1. सभी प्रश्न बहुविकल्पी होंगे तथा सभी प्रश्नों के अंक समान होगें।

2. किसी प्रश्न के गलत उत्तर के लिए परीक्षार्थी के प्राप्ताकों में से उस प्रश्न के पूर्णांक का एक-तिहाई (1/3) भाग नकारात्मक अंकन (Negative Marking) किया जावेगा।

पाठ्यक्रम विवरण

क्र. स.	विषय विवरण
1.	**सामान्य हिन्दी :** संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं विशेषण, तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द, संधि-अर्थ, प्रकार एवं संधि-विच्छेद, उपसर्ग एवं प्रत्यय, पर्यायवाची एवं विलोम शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि (वर्तनी संबंधित अशुद्धि को छोड़कर वाक्य से संबंधित अशुद्धियाँ), काल के प्रकार (भेद), मुहावरे एवं लोकोक्ति, अंग्रेजी के पारिभाषिक (तकनीकी) शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द, कार्यालयी पत्रों से संबंधित ज्ञान (यथा कार्यालय पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, विज्ञप्ति, ज्ञापन, परिपत्र, निविदा एवं अर्द्धशासकीय पत्र इत्यादि)
2.	**General English :** Tenses/Sequence of Tenses, Voice : Active and Passive, Narration : Direct and Indirect, Transformation of Sentences : Assertive to Negative, Interrogative, Exclamatory and Vice-Versa, Correction of sentences, words wrongly used, Use of articles and determiners, prepositions, punctuation, Translation of Simple (Ordinary/Common) Sentences from Hindi to English and Vice-Versa, Glossary of official, Technical Terms (with their Hindi Versions).
3.	**भूगोल :** राजस्थान : स्थिति, विस्तार, भौतिक स्वरूप एवं भौतिक विभाजन, मृदा, प्राकृतिक वनस्पतियाँ व वन संरक्षण, जलवायु, जल संसाधन, अपवाह तंत्र व झीलें, प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ, जनसंख्या-आकार, वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात एवं साक्षरता, राजस्थान का परिवहन व राज्य मार्ग, आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन इत्यादि।

क्र. स.	विषय विवरण
	राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति : ऐतिहासिक घटनाएँ, स्वतंत्रता आंदोलन, एकीकरण, महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व, भाषा एवं साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक जीवन, वेशभूषा, वाद्य यंत्र, लोक देवता, लोक साहित्य, बोलियाँ, मेले और त्योहार, आभूषण, लोक कलाएँ, वास्तुकला, लोक संगीत, नृत्य, रंगमंच, पर्यटन स्थल व स्मारक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक दृष्टि से राजस्थान की हस्तियाँ इत्यादि।
	भारतीय संविधान एवं राजस्थान राज्य के विशेष संदर्भ में राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था : संविधान का परिचय एवं आधारभूत लक्षण, राज्य शासन एवं राजनीति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिमण्डल, विधानसभा तथा न्यायपालिका, राज्य का प्रशासनिक ढाँचा: मुख्य सचिव, जिला प्रशासन (सामान्य प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन), जिला स्तर पर न्यायिक ढाँचा, सूचना का अधिकार अधिनियम इत्यादि।
	सामान्य विज्ञान : भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन, धातु, अधातु एवं प्रमुख यौगिक, प्रकाश का परावर्तन एवं नियम, आनुवंशिकी से संबंधित सामान्य शब्दावली, मानव शरीर : संरचना, अंग तंत्र, प्रमुख मानव रोग : कारक एवं निदान, अपशिष्ट प्रबंधन।
	प्रमुख सम-सामयिक घटनाएँ : खेल, राजनीति, अर्थव्यवस्था, सामाजिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, पारिस्थितिकी संबंधी एवं तकनीकी क्षेत्र संबंधित मुद्दे इत्यादि। राज्य एवं राष्ट्रीय मुद्दे, प्रसिद्ध व्यक्तित्व, राज्य एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीति इत्यादि।
	कम्प्यूटर : कम्प्यूटर सिस्टम का अवलोकन–हार्डवेयर डिवाइस, सॉफ्टवेयर–ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर इत्यादि। कार्यालय अनुप्रयोगों का अवलोकन–एमएस वर्ड, एमएस एक्सल, एमएस पॉवर पॉईंट, इंटरनेट, ईमेल इत्यादि।
4.	**गणित :** महत्तम समापवर्तक एवं लघुत्तम समावर्त्य, औसत, लाभ–हानि, प्रतिशत, साधारण ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात–समानुपात, साझा, समय एवं कार्य, समय, चाल एवं दूरी, आँकड़ों का चित्रों द्वारा निरूपण इत्यादि।

*****

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
सामान्य हिन्दी	**7-118**
• संज्ञा	7
• सर्वनाम	9
• क्रिया	12
• विशेषण	15
• तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द	18
• संधि-अर्थ, प्रकार एवं संधि-विच्छेद	26
• उपसर्ग	36
• प्रत्यय	39
• पर्यायवाची शब्द	42
• विलोम शब्द	48
• वाक्यांश के लिए एक शब्द	54
• शब्द-शुद्धि	63
• वाक्य-शुद्धि (वर्तनी संबंधित अशुद्धि को छोड़कर वाक्य से संबंधित अशुद्धियाँ)	72
• काल के प्रकार (भेद)	79
• मुहावरे एवं लोकोक्ति	81
• अंग्रेजी के पारिभाषिक (तकनीकी) शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द	93
• कार्यालयी पत्रों से संबंधित ज्ञान (यथा कार्यालय पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, विज्ञप्ति, ज्ञापन, परिपत्र, निविदा एवं अर्द्धशासकीय पत्र)	108
सामान्य अंग्रेजी	**57-114**
• Tenses	119
• Sequence of Tenses	139
• Voice : Active and Passive	143
• Narration : Direct and Indirect	154
• Transformation of Sentences : Assertive to Negative, Interrogative, Exclamatory and Vice-Versa	164
• Correction of sentences, words wrongly used	168
• Use of articles	176
• Use of determiners	181
• Prepositions	187
• Punctuation	191
• Translation of Simple (Ordinary/Common) Sentences from Hindi to English and Vice-Versa	196
राजस्थान का भूगोल	**199-262**
• राजस्थान की स्थिति एवं विस्तार	199
• राजस्थान का भौतिक स्वरूप एवं भौतिक विभाजन	203
• राजस्थान में मृदा	209
• राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पतियाँ व वन संरक्षण	212
• राजस्थान में जलवायु	219
• राजस्थान में जल संसाधन, अपवाह तंत्र व झीलें	222
• राजस्थान में प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ	233
• राजस्थान में जनसंख्या-आकार, वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात एवं साक्षरता	238
• राजस्थान का परिवहन एवं राज्य मार्ग	242
• राजस्थान में आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन	258

राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति 263-392

- राजस्थान की ऐतिहासिक घटनाएँ 263
- राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन 289
- राजस्थान का एकीकरण 301
- ऐतिहासिक व सांस्कृतिक दृष्टि से राजस्थान की हस्तियाँ एवं महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व 305
- राजस्थानी भाषा एवं साहित्य 317
- राजस्थान की संस्कृति एवं सामाजिक जीवन 322
- राजस्थान की वेशभूषा 324
- राजस्थान के वाद्य यंत्र 326
- राजस्थान के लोक देवता एवं लोक देवियाँ 328
- राजस्थानी लोक साहित्य 338
- राजस्थानी बोलियाँ 347
- राजस्थान के मेले और त्योहार 350
- राजस्थान के आभूषण 356
- राजस्थान की लोक कलाएँ (हस्तकला, चित्रकला, लोक चित्रांकन) 359
- राजस्थान की वास्तुकला 368
- राजस्थान का लोकसंगीत 380
- राजस्थान के नृत्य, नाट्य एवं रंगमंच 382
- राजस्थान में पर्यटन स्थल एवं स्मारक 388

भारतीय संविधान एवं राजस्थान राज्य के विशेष संदर्भ में राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था 393-412

- संविधान का परिचय एवं आधारभूत लक्षण 393
- राज्य शासन एवं राजनीति : राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिमण्डल, विधानसभा तथा न्यायपालिका 401
- राज्य का प्रशासनिक ढांचा: मुख्य सचिव, जिला प्रशासन (सामान्य प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन), जिला स्तर पर न्यायिक ढाँचा 407
- सूचना का अधिकार अधिनियम 409

सामान्य विज्ञान 413-452

- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन 413
- धातु, अधातु एवं प्रमुख यौगिक 415
- प्रकाश का परावर्तन एवं नियम 423
- आनुवंशिकी से संबंधित सामान्य शब्दावली 426
- मानव शरीर : संरचना, अंग तंत्र 431
- प्रमुख मानव रोग : कारक एवं निदान 438
- अपशिष्ट प्रबंधन 449

बेसिक कम्प्यूटर 453-486

- कम्प्यूटर सिस्टम का अवलोकन–हार्डवेयर डिवाइस 453
- सॉफ्टवेयर–ऑपरेटिंग सिस्टम और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर 466
- कार्यालय अनुप्रयोगों का अवलोकन–एमएस वर्ड, एमएस एक्सल, एमएस पॉवर पॉईंट 473
- इंटरनेट, ईमेल 483

सामान्य गणित 487-568

- महत्तम समापवर्तक एवं लघुत्तम समावर्त्य 487
- औसत 493
- लाभ–हानि 501
- प्रतिशत 509
- साधारण ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज 517
- अनुपात–समानुपात 527
- साझा 537
- समय एवं कार्य 545
- समय, चाल एवं दूरी 553
- आँकड़ों का चित्रों द्वारा निरूपण 563

सामान्य हिन्दी

1 संज्ञा

वाक्य में प्रकार्य की दृष्टि से विकारी शब्दों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हें पद भी कहा जाता है। विकारी शब्दों या पदों में सर्वप्रथम संज्ञा की गणना की जाती है।

संज्ञा की परिभाषा–उस विकारी शब्द जिससे किसी पदार्थ, व्यक्ति, गुण, धर्म, नाम, स्वभाव तथा स्थान आदि के नाम का बोध होता है उसे संज्ञा कहते हैं। जैसे–भारत, हिमालय, राम, जयपुर, मेज, पानी, बुढ़ापा, ममता, आम आदि।

संज्ञा के भेद–

संज्ञा के मुख्य रूप से तीन भेद माने जाते हैं–(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (2) जातिवाचक संज्ञा तथा (3) भाववाचक संज्ञा।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति विशेष, वस्तु विशेष या जाति विशेष का बोध होता है उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे–कमल, रमेश, रमा, अरावली, गंगा, भारतवर्ष, दूध, जयपुर आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के कुछ शब्द

- **व्यक्तियों के नाम**—रमेश, सुरेश, गीता, राधा, सीता, मोहन।
- **दिशाओं के नाम**—पूर्ण, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण
- **देशों के नाम**—जापान, चीन, अमेरिका, भारत, पाकिस्तान, स्पेन।
- **राष्ट्रीय जातियों के नाम**—भारतीय, रूसी, अमेरिकी, जापानी, चीनी, कोरियाई।
- **समुद्रों के नाम**—प्रशान्त महासागर, काला सागर, हिन्द महासागर, अरब सागर, भूमध्य सागर।
- **नदियों के नाम**—गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कावेरी, चम्बल, माही, गोदावरी, नर्मदा।
- **पर्वतों के नाम**—हिमालय, विन्ध्याचल, आबू।
- **त्योहारों के नाम**—होली, दीपावली, रक्षाबन्धन, शिक्षक दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विजयादशमी।
- **दिनों के नाम**—सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार।
- **पुस्तकों, समाचार पत्रों के नाम**—रामचरितमानस, गोदान, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, हिन्दुस्तान टाईम्स।
- **झीलों के नाम**—सांभर, डल, नक्की, जयसमन्द आदि।
- **गाँवों, नगरों के नाम**—जयपुर, जोधपुर, जमशेदपुर, भोपाल, आगरा।
- **सड़कों, दुकानों, प्रकाशनों के नाम**—विजयपुरा, रामगढ़, गोनेर।
- **महाद्वीपों के नाम**—एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका।
- **राज्यों के नाम**—राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु।
- **महिनों के नाम**—जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रेल, मई, जून, जुलाई, अगस्त।
- **ग्रहों के नाम**—बुध, शुक्र, मंगल, पृथ्वी, बृहस्पति, शनि।

2. जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी एक जाति, एक वर्ग या समूह की सभी वस्तुओं का बोध होता है, उसे **जातिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे–पर्वत, नदी, नगर, पक्षी, फूल, बन्दर, लड़का, देश आदि।

इन उदाहरणों में 'पर्वत' सभी पर्वतों का, 'नदी' सभी नदियों का, 'नगर' सभी नगरों का और 'पक्षी' सभी पक्षियों का बोध करा रहे हैं। इसी प्रकार अन्य शब्द भी अपने वर्ग का बोध कराते हैं।

व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक का स्पष्टीकरण

व्यक्तिवाचक संज्ञा	सीता	दिल्ली	विन्ध्याचल	यमुना	सूरदास
जातिवाचक संज्ञा	स्त्री	नगर	पर्वत	नदी	कवि

3. भाववाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी पदार्थ के गुण, दोष, धर्म, अवस्था, भाव, विभिन्न व्यापार आदि का बोध होता है। उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं; भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण प्रायः सभी शब्द भेदों से होता है। जैसे–मिठास, बुढ़ापा, लिखावट, बचपन, प्रसन्नता, दुःख, भय, भलाई आदि।

विशेष–भाववाचक संज्ञाएँ निम्नलिखित चार प्रकार के शब्दों से बनती हैं–

(1) जातिवाचक संज्ञा से

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
दानव	दानवता	प्रभु	प्रभुता
इंसान	इंसानियत	क्षत्रिय	क्षत्रियत्व
गुरु	गौरव	देव	देवत्व
नारी	नारीत्व	पण्डित	पाण्डित्य
पशु	पशुता	मनुष्य	मनुष्यता
बच्चा	बचपन	मित्र	मित्रता
माता	मातृत्व	बूढ़ा	बुढ़ापा
बन्धु	बन्धुता	शूर	शौर्य
लड़का	लड़कपन	ब्राह्मण	ब्राह्मणत्व
दास	दासता	विद्वान्	विद्वत्ता

(2) सर्वनाम से

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
अहं	अहंकार	निज	निजत्व
अपना	अपनत्व	मम	ममत्व
सर्व	सर्वस्व	स्व	स्वत्व

(3) विशेषण से

विशेषण	भाववाचक संज्ञा	विशेषण	भाववाचक संज्ञा
अच्छा	अच्छाई	उदार	उदारता
सुन्दर	सुन्दरता/सौन्दर्य	चतुर	चतुरता/चातुर्य
बड़ा	बड़प्पन	मोटा	मोटापा
लघु	लघुता	सरल	सरलता

पतला	पतलापन	भला	भलाई
ऊँचा	ऊँचाई	उचित	औचित्य
मधुर	माधुर्य	मूर्ख	मूर्खता
लाल	लाली	ढीठ	ढिठाई
कुशाग्र	कुशाग्रता	ठण्डा	ठण्डाई/ठण्डक

(4) क्रिया से

क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा
मिलना	मिलन	मिलाना	मिलाप

पढ़ना	पढ़ाई	चलना	चाल
हँसना	हँसी	खेलना	खेल
घबराना	घबराहट	बरसना	बरसात
चिल्लाना	चिल्लाहट	मिलाना	मिलावट
रोना	रुलाई	पीसना	पिसाई
दौड़ना	दौड़	जागना	जागरण
खाना	खाद्य	पहनना	पहनावा
बुनना	बुनाई	बैठना	बैठक
रँगना	रँगाई	लड़ना	लड़ाई
भूलना	भूल	धोना	धुलाई

महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

- **निम्नलिखित में से भाववाचक संज्ञा है-**
  (1) अपनी (2) अवसर
  (3) दया (4) यह **(3)**
- **'उन्होंने सभी लोगों में ईश्वर के दर्शन किए' वाक्य में रेखांकित शब्द है-**
  (1) सर्वनाम (2) भाववाचक संज्ञा
  (3) जातिवाचक संज्ञा (4) व्यक्तिवाचक संज्ञा **(3)**
- **निम्न में से कौन-सा विकल्प जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनने का है?**
  (1) शून्यता (2) उत्पीड़न
  (3) उपयोगिता (4) दासत्व **(4)**
- **'बाढ़ के समान दिशाहीन' वाक्यांश में रेखांकित पद है-**
  (1) संज्ञा (2) सर्वनाम
  (3) क्रिया (4) विशेषण **(1)**
- **इनमें विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा नहीं है :**
  (1) प्राथमिकता (2) सुन्दरता
  (3) समता (4) ममता **(4)**
- **इनमें क्रिया से बनी भाववाचक संज्ञा नहीं है :**
  (1) पढ़ाई (2) दौड़
  (3) उतराई (4) खटाई **(4)**
- **किस विकल्प में सभी संज्ञा शब्द क्रिया शब्दों से निर्मित हैं?**
  (1) भूल, हँसी (2) शिक्षा, अच्छाई
  (3) मिठास, चुनाव (4) पूजा, जवानी **(1)**
- **किस वाक्य में व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त हुई है?**
  (1) हमें बुराइयों से दूर रहना चाहिए।
  (2) भाषा की भिन्नताओं के बावजूद देशवासी अभिन्न हैं।
  (3) लौह पुरुष के दृढ़ संकल्प ने देश को एक सूत्र में बाँधा है।
  (4) देश को नटवरलालों ने तरह-तरह से ठगा है। **(4)**
- **निम्नलिखित में 'संज्ञा उपवाक्य' कौन सा है?**
  (1) पड़ोसी ने कहा कि मुझे दवाई की जरूरत नहीं।
  (2) साधारण होते हुए भी वह बहुत व्यवहार कुशल है।
  (3) जैसा तुमने कहा, उसने वैसा ही किया।
  (4) साँझ होते ही पक्षी घोंसलों में लौट आते हैं। **(1)**
- **इनमें क्रिया-विशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा है-**
  (1) क्षमता (2) ममता
  (3) शीघ्रता (4) विशालता **(3)**
- **इनमें सर्वनाम से बनी भाववाचक संज्ञा है-**
  (1) अपनापन (2) छुटपन
  (3) लड़कपन (4) लिखावट **(1)**
- **सर्वनाम से निर्मित भाववाचक संज्ञा कौन सी है?**
  (1) कायरता (2) ईर्ष्या
  (3) अहंकार (4) औचित्य **(3)**
- **संज्ञा से निर्मित विशेषण है -**
  (1) दैनिक (2) आपसी
  (3) टिकाऊ (4) अगला **(4)**
- **किस विकल्प के सभी शब्द भाववाचक संज्ञा हैं–**
  (1) सौन्दर्य, अपनापन, निपुण (2) बालक, प्रीति, अनेकता
  (3) ईर्ष्या, बचपन, नैतिकता (4) पशुता, पुस्तक, शौर्य **(3)**
- **किस विकल्प में सर्वनाम से बनी भाववाचक संज्ञा है–**
  (1) विषमता (2) समता
  (3) आर्थिकता (4) ममता **(4)**
- **किस विकल्प के सभी शब्द क्रिया से बनी भाववाचक संज्ञा है–**
  (1) बुराई, बनावट (2) पढ़ाई, लिखावट
  (3) अच्छाई, दिखावट (4) बलाई, सजावट **(2)**
- **इनमें से जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक सा का सही उदाहरण है–**
  (1) दानव-दानवता (2) सर्व-सर्वस्व
  (3) चतुर-चतुराई (4) गाना-गान **(1)**
- **निम्नांकित में भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है?**
  (1) भारत (2) भारतीय
  (3) भारतीयता (4) भारतवर्ष **(3)**
- **केवल एकवचन का प्रयोग किस समुदायवाचक संज्ञा में किया जाएगा?**
  (1) झुंड (2) बादल
  (3) शिक्षकों (4) अध्यापक **(1)**
- **इनमें से किस विकल्प में सभी शब्द जातिवाचक संज्ञा हैं?**
  (1) हिमालय, काशी, शहर (2) दिल्ली, पहाड़, कामना
  (3) पहाड़, बालक, नदी (4) शहर, पहाड़, मोहन **(3)**
- **'गाँधी को राष्ट्रपिता कहा गया है।' इस वाक्य में 'गाँधी' शब्द क्या है?**
  (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा
  (3) विशेषण (4) समूहवाचक संज्ञा **(1)**
- **'मूर्ख' विशेषण के लिए समुचित संज्ञा शब्द है–**
  (1) मूर्खता (2) मूरखाई
  (3) मूरखता (4) मूरखपना **(1)**

❑❑❑